नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 062
दि. 01.07.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

विकास के नए कीर्तिमान रच रहा उत्तर प्रदेश, सीएम योगी ने यूपी को 3 महीने में दी 62 हजार करोड़ से अधिक की 5551 परियोजनाओं की सौगात

(जीएनएस)।

बीते 9 साल से निरंतर विकास की बुलंदियों को छू रहा उत्तर प्रदेश नित नए कीर्तिमान रच रहा है। यदि वित्तीय वर्ष 2026-27 की बात करें तो पहली तिमाही में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निरंतर जनपदों के दौरे कर विकास की सौगात दे रहे हैं। वे पूर्वांचल, पश्चिमांचल, बुंदेलखंड, मध्यांचल समेत प्रदेश के सभी जनपदों को विकास से जोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अप्रैल, मई और जून के दौरान प्रदेशभर में आधारभूत ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन, खेल, शहरी विकास, ग्रामीण विकास और कनेक्टिविटी से जुड़ी 5,551 से अधिक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

इन परियोजनाओं पर 62,282 करोड़ से अधिक रुपए खर्च किए जा रहे हैं, जो प्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दिशा में सरकार की प्राथमिकताओं को दशार्ती है। मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट कर दिया है कि उत्तर प्रदेश में विकास केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर तेजी से क्रियान्वित हो रहा है। यह दशार्ता है कि उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने की तरफ तेजी से बढ़ रहा है।

हर क्षेत्र में विकास की समान गति

इन तीन महीनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में सड़क, पुल, मेडिकल कॉलेज, खेल अवसंरचना, औद्योगिक पार्क, नगर विकास, शिक्षा, पेयजल, पर्यटन और डिजिटल सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की शुरूआत की गई। योगी सरकार ने केवल बड़े शहरों पर ही नहीं, बल्कि पूर्वांचल, बुंदेलखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और तराई क्षेत्र के जिलों में भी विकास कार्यों को समान प्राथमिकता दी।

गंगा एक्सप्रेसवे पर दौड़े विकास के पहिए, जेवर से हुई प्रगति की उड़ान

इस अवधि की सबसे बड़ी उपलब्धियों में 36 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत वाले गंगा एक्सप्रेसवे व नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर का लोकार्पण रहा। मेरठ से प्रयागराज तक प्रदेश को जोड़ने वाला यह एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास, व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा। वहीं नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर से भी प्रगति की उड़ान हुई। एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसान पहली फ्लाइट में बैठकर लखनऊ पहुंचे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से संवाद भी किया।

शिक्षा और तकनीक पर विशेष जोर

योगी सरकार ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप आधुनिक तकनीकी शिक्षा को भी प्राथमिकता दी। गोरखपुर में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की शुरूआत की गई, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक्नोलॉजी और थ्री-डी प्रिंटिंग जैसे भविष्य की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुजफ्फरनगर में भी सेंटर ऑफ इनोवेशन, इन्क्यूबेशन एंड ट्रेनिंग की स्थापना के माध्यम से युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं का हुआ विस्तार

योगी सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए भी अनेक परियोजनाओं की शुरूआत की। ललितपुर में राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित स्वास्थ्य अवसंरचना से जुड़ी कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। विभिन्न जिलों में अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

अछरड फएअऊ योगी सरकार का बड़ा फैसला, 1.04 करोड़ रुपए से संवरेगा गोमती नदी का उद्गम स्थल, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

उद्योग और निवेश को नई ऊर्जा

ललितपुर में 1,500 एकड़ में उत्तर प्रदेश का पहला फार्मा पार्क विकसित करने की घोषणा राज्य के औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। वहीं विभिन्न जिलों में औद्योगिक क्षेत्रों, लॉजिस्टिक सुविधाओं और कनेक्टिविटी परियोजनाओं के माध्यम से निवेश के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं।

पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को मिला बढ़ावा

प्रदेश सरकार पर्यटन विकास को भी प्राथमिकता दे रही। संतकबीर नगर में तामेश्वरनाथ धाम कॉरिडोर, बाबा बैजूनाथ धाम के विकास और बखिरा झील को इको-टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई। महोबा को एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की गई। इसके साथ ही प्रदेशभर में इको टूरिज्म को लेकर भी बड़े स्तर पर काम चल रहा है।

खेल और शहरी सुविधाओं का विस्तार

गोरखपुर में लगभग 393 करोड़ रुपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया गया, जिसमें 30 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। वहीं नगर निगमों में आधुनिक सदन भवन, मल्टीलेवल पार्किंग, टू-लेन ब्रिज, ईको पार्क और अन्य शहरी सुविधाओं के विकास से नागरिक जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया गया।

सामाजिक समरसता और जनकल्याण को भी प्राथमिकता

लखीमपुर खीरी में बांग्लादेश से विस्थापित हिंदू परिवारों, पीलीभीत में हजारों बंगाली परिवारों को नागरिकता और भूमि अधिकार पत्र वितरित किए गए। इस तरह प्रदेश में कई अवसरों पर लोगों को नियुक्ति पत्र व अन्य सुविधाओं से जुड़े पत्र भी वितरित किए गए। वहीं श्रमिक कल्याण योजनाओं, कल्याण मंडपम और अन्य जनसुविधाओं के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया गया।

विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत नींव

इसी तरह रामपुर, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, उन्नाव, आजमगढ़, कुशीनगर, गोंडा, बलरामपुर, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़, हाथरस, फिरोजाबाद, ललितपुर और अन्य जिलों में सैकड़ों विकास परियोजनाओं का शुभारंभ हुआ। वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जिस गति से हजारों विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ, उससे स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश में विकास अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर तेजी से क्रियान्वित हो रहा है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, पर्यटन, खेल और शहरी विकास जैसे लगभग सभी क्षेत्रों में एक साथ हो रहे निवेश प्रदेश को विकसित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में मजबूत आधार प्रदान कर रहे हैं।

एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं लोकार्पण और शिलान्यास से जुड़ी सभी परियोजनाओं को निगरानी करते आ रहे हैं। वहीं एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर, फार्मा पार्क और औद्योगिक क्लस्टर जैसी आधारभूत परियोजनाओं के साथ निवेश को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

कृषि, एमएसएमई, पर्यटन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और विनिर्माण क्षेत्र को नई गति दी जा रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने, रोजगार सृजन, कौशल विकास और बेहतर कानून-व्यवस्था के माध्यम से उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य तेज आर्थिक विकास के साथ प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है।

मुख्यमंत्री योगी द्वारा अप्रैल, मई-जून में किए गए प्रमुख लोकार्पण व शिलान्यास

5 अप्रैलः गोरखपुर-बंधु सिंह पार्क में बने मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स के साथ घंटाघर के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण

7 अप्रैलः आगरा में 6466.37 करोड़ रुपए की 325 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। साथ ही ग्रेटर आगरा टाउनशिप विकसित करने की घोषणा की। 11 अप्रैलः लखीमपुर खीरी की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की 817 करोड़ की 314 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। 11 अप्रैलः लखीमपुर खीरी में ही बांग्लादेश से विस्थापित 331 हिंदू परिवारों को भूमिधरी अधिकार पत्र दिया और 417 करोड़ की 231 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। 13 अप्रैलः आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जनभवन के नए भवन का शुभारंभ किया। इसकी लागत करीब 5.17 करोड़ रुपए है।

13 अप्रैलः मुजफ्फरनगर में 951 करोड़ रुपए की 423 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

पीएम मोदी की ईरानी राष्ट्रपति से बात, मिडिल ईस्ट में शांति और होर्मुज की 'आजादी' पर दिया जोर

सीजफायर के बाद पहली बार पीएम मोदी की ईरानी राष्ट्रपति से फोन पर हुई बात, किन मुद्दों पर हुई चर्चा? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को लेकर अहम बातचीत हुई. फोन कॉल के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय हालात और हालिया घटनाक्रमों की जानकारी दी.

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से टेलीफोन पर बातचीत की. बातचीत के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों और आगे की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को जानकारी दी. प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में बनी समझ का स्वागत किया और कहा कि भारत लगातार यह मानता रहा है कि सभी मुद्दों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए ही होना चाहिए.

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास जारी रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया. इसके साथ ही उन्होंने समुद्री मार्गों पर आवागमन और व्यापार की स्वतंत्रता सुरक्षित बनाए रखने की अहमियत भी दोहराई. हालिया क्षेत्रीय संघर्ष के बावजूद ईरान के साथ भारत उच्चस्तरीय राजनीतिक संपर्क और बहुपक्षीय मंचों के जरिए लगातार करीबी कूटनीतिक संवाद बनाए हुए है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के बीच हुई बातचीत को भी इसी कड़ी में देखा जा रहा है. इस बीच, ईरान ने प्रधानमंत्री मोदी को अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा था. अयातुल्ला खामेनेई की हालिया संघर्ष के दौरान अमेरिका-इजरायल के हमले में मौत हो गई थी.

भारत की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा अंतिम संस्कार समारोह में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे.

'वह मेरी तरह हैं, सोते नहीं...', जब सुबह 6 बजे पीएम मोदी को फोन करने वाले थे ट्रंप; यूएस राजदूत ने सुनाया किस्सा

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौता अब अपने अंतिम चरण में है। ये समझौता इस बात का प्रमाण है कि टैरिफ से दोनों देशों के बीच शुरू हुआ विवाद टैरिफ के साथ ही खत्म हो गया है।

गौर करने वाली बात यह भी है कि भारत-अमेरिका के बीच रिश्ते सिर्फ दो देशों के बीच के समझौते नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों के नेताओं के बीच की गहरी दोस्ती भी इसका बड़ा कारण है।

पीएम मोदी-ट्रंप की दोस्ती का अनसुना किस्सा

पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच का ऐसा ही एक मजेदार किस्सा भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने सुनाया। गोर ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार सुबह 6 बजे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन मिलाना चाहते थे। यह बात दोनों नेताओं के बीच के गजब के तालमेल को दिखाती है।

जब ट्रंप ने कहा था- मोदी बिल्कुल मेरे जैसे

यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (वरकरढऋ) के एक कार्यक्रम में बोलते हुए अमेरिकी राजदूत ने यह वाकया साझा किया। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले मियामी में एक यूएफसी (UFC) फाइट इवेंट के दौरान वे राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बैकस्टेज बैठे थे। अचानक ट्रंप ने उनसे कहा कि चलो, प्रधानमंत्री मोदी को फोन लगाते हैं।

गोर ने बताया कि जब ट्रंप ने ऐसी इच्छा जताई तो मैंने उन्हें याद दिलाया कि इस वक्त भारत में सुबह के 6 बज रहे होंगे, तो ट्रंप ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि वह जाग रहे होंगे। वह बिल्कुल मेरी तरह हैं जल्दी उठने वाले।

हालांकि, वह फोन कॉल अगले दिन की गई, लेकिन राजदूत ने कहा कि इस किस्से से पता चलता है कि दोनों नेताओं के बीच कितना दोस्ताना रिश्ता है। जब आप किसी के अच्छे दोस्त होते हैं, तो हर बात के लिए पहले से टाइम तय करने की जरूरत नहीं होती।

ट्रंप के दिल में भारत के लिए खास जगह

राजदूत गोर ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप आज भी भारत दौरे की यादों को बहुत पसंद करते हैं। उनके पहले कार्यकाल के दौरान हुए 'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रंप' जैसे बड़े कार्यक्रमों ने दोनों देशों को बहुत करीब लाया था। ट्रंप अपने इस दूसरे कार्यकाल में भी भारत आने की इच्छा रखते हैं।

अगले 2 साल भारत-अमेरिका के लिए बेहद अहम

अमेरिकी राजदूत के मुताबिक, दोनों देशों की सरकारें सिर्फ बातों पर नहीं, बल्कि काम पर भरोसा रखती हैं। आने वाले दो साल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बहुत जरूरी हैं। व्यापार, निवेश, रक्षा और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में आज जो फैसले लिए जाएंगे,

भारी पड़ा बाइक चलाते समय रील बनाने का नशा, दो बाइकें आपस में टकराईं, चार घायल

लखनऊ के मलिहाबाद में रील बनाते समय दो बाइके आपस में टकरा गईं। हादसे में चार युवक घायल हो गए। हादसा बीच में आए एक बच्चे को बचाते समय हुआ। मलिहाबाद के रहीमाबाद के तिलकखेड़ा गांव के पास मंगलवार दोपहर दो बाइकों पर सवार चार युवक रील बना रहे थे। अचानक एक बच्चा सामने आ जाने पर दोनों बाइक सवार आपस में टकराकर घायल हो गए। दो युवकों को गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है, जबकि दो का इलाज रहीमाबाद के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। उन्नाव के औरास क्षेत्र के सरैया गांव निवासी सगे भाई आनंद और अनीस एक बाइक पर सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर सगे भाई विकास और विशाल सवार थे। मंगलवार दोपहर बाइक चलाते समय वे रील बना रहे थे।

बाबा साहेब का अस्थिकलश लखनऊ में सुरक्षित, मंत्री ने खारिज की हटाने की अफवाहें

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने डॉ. आंबेडकर के अस्थिकलश को हटाने की चचाओं को निराधार बताया, कहा कि यह लखनऊ के स्मारक में पूरी तरह सुरक्षित है

(जीएनएस)।

लखनऊ। डॉ. भीमराव आंबेडकर के अस्थि कलश के हटाने को लेकर चल रही चचाओं को पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने खारिज किया है। मंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर के अस्थिकलश के संबंध में संस्कृति विभाग अथवा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसी भी प्रकार का स्थानांतरण संबंधी निर्णय नहीं लिया गया है। अस्थिकलश अपने वर्तमान स्थान पर पूरी सुरक्षा के साथ यथावत सुरक्षित है। और इसे स्थानांतरित करने की बात पूरी तरह भ्रामक है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि लखनऊ के आंबेडकर स्मारक एवं

सांस्कृतिक केंद्र ऐशबाग का चरणबद्ध विकास कराया जा रहा है। 16.20 करोड़ रुपये की लागत से स्मारक परिसर के बा' विकास, फसाड और हार्टीकल्चर से जुड़े कार्य चल रहे हैं।

परियोजना की भौतिक प्रगति 85 प्रतिशत हो चुकी है। बाउंड्रीवाल, स्टोन क्लैडिंग, तीन गेटों, तोरण द्वार, प्रतिमा के पैडेस्टल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। मुख्य प्रवेश द्वार का अधिकांश कार्य भी पूर्ण हो गया है।

44.43 करोड़ रुपये की लागत से 500 सीट क्षमता वाले अत्याधुनिक प्रेक्षागृह व आडिटोरियम की आंतरिक और बाहरी साज-सज्जा काम भी तेजी से चल रहा है। इनके अलावा 43.69 करोड़ रुपये की लागत से मुख्य निर्माण कार्य पहले ही पूरे किए जा चुके हैं।

इनमें कार्यालय भवन, बेसमेंट, प्रतिमा के लिए फाउंडेशन, सब स्टेशन, पंप रूम, गार्ड रूम, आंतरिक सड़क, सीवर लाइन व अन्य सुविधाएं शामिल हैं।

यूपी कांग्रेस चीफ अजय राय ने अयोध्या में किए रामलला के दर्शन, दिनभर थे नजरबंद

यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि रामलला का जो पैसा खाएं हैं, भगवान इनको दंड दें. दर्शन से पहले उन्हें दिनभर नजरबंद कर दिया गया था.

(जीएनएस)।

यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार (30 जून) को अयोध्या में रामलला के दर्शन कर लिए. पुलिस ने उन्हें राम मंदिर क्रॉसिंग नंबर 2 से प्रवेश कराया. उन्होंने कहा कि सौभाग्यशाली हैं कि राम लला के दर्शन करने का मौका मिला. प्रदेश कांग्रेस चीफ ने बताया कि उन्होंने प्रार्थना की है कि जो लूट चल रही है, भ्रष्टाचार चल रहा है, चाहे वो जमीन घोटाला हो, चंदा चोरी हो. रामलला का जो पैसा खाएं हैं. भगवान इनको दंड दें.

इससे पहले आज (30 जून) दिन भर उन्हें नजरबंद कर दिया गया था.

अजय राय ने एक्स पोस्ट में कहा था कि आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी के गेस्ट हाउस में उन्हें नजरबंद किया गया था.

कांग्रेस नेता अजय राय ने आगे कहा, "राम मंदिर चंदा चोरी के मामले में नृपेंद्र मिश्रा, चंपत राय, बंसल, गोपाल राव, अनिल मिश्रा और गोविंद गिरी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. इनको पुलिस हिरासत में लेना चाहिए था. साफ है कि बड़े लोगों को बचाया जा रहा है. ट्रस्ट को भंग करना चाहिए, और साधु महात्माओं से परामर्श होना चाहिए. संदेश ये ही है कि भगवान राम देख रहे हैं, उनको दंड देंगे, छोटे लोगों पर कार्रवाई हो रही है, बड़े लोगों पर कार्रवाई हो."

बता दें कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में 9 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार (30 जून) को अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन, मंदिर ट्रस्ट से मुलाकात और चढ़ावा मामले की जानकारी लेने वाला था. प्रतिनिधिमंडल ने मंदिर ट्रस्ट के ऑफिस के घेराव का भी ऐलान किया था.

रात पौने आठ बजे पुलिस की निगरानी में दर्शन पूजन कर लखनऊ लौट कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मंगलवार शाम करीब पौने आठ बजे पुलिस की निगरानी में अयोध्या रामलला के दर्शन पूजन किए। उसके बाद वह लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अन्य नेताओं को मंगलवार सुबह रामलला के दर्शन पूजन करना था, लेकिन सभी को रात में ही नजरबंद कर लिया गया। अजय राय को अयोध्या के होटल से हिरासत में लेकर नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के गेस्ट हाउस ले जाया गया। जहां दिनभर वहीं रहे। देर शाम करीब पौने आठ बजे उन्हें पुलिस की निगरानी में रामलला मंदिर ले जाया गया, जहां दर्शन पूजन के बाद वह लखनऊ रवाना हुए।

अयोध्या में बड़ा हादसा, बच्ची को बचाने उतरीं 5 महिलाएं सरयू में डूबीं, 3 की मौत, 2 लापता

अयोध्या के रौनाही थाना क्षेत्र में सरयू नदी में नहाने के दौरान मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया. नदी में डूब रही एक बच्ची को बचाने की कोशिश में पांच महिलाएं खुद गहरे पानी में समा गईं. इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो की तलाश के लिए राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है. घटना के बाद सनाहा गांव में मातम पसरा है और जिलाधिकारी व एसएसपी मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं.

(जीएनएस)।

अयोध्याः यूपी के अयोध्या से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है. रौनाही थाना क्षेत्र के सनाहा गांव में नदी में नहाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया. एक बच्ची को बचाने की कोशिश में पांच महिलाएं नदी में डूब गईं. इनमें से तीन महिलाओं की मौत हो गई है, जबकि दो की तलाश अभी भी जारी है. प्रशासन और राहत-बचाव दल लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं.

अयोध्या के रौनाही थाना क्षेत्र के सनाहा गांव में उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब नदी में नहाने के दौरान एक बच्ची गहरे पानी में चली गई. उसे बचाने के लिए महिलाएं एक-एक कर नदी में उतरीं, लेकिन तेज बहाव और गहराई की वजह से पांच महिलाएं डूब गईं.

ग्रामीणों ने तत्काल बचाव अभियान चलाया और तीन महिलाओं को नदी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. मृतकों की पहचान 55 वर्षीय सरजुल निशा, 40 वर्षीय नाजनीन और 19 वर्षीय मरियम के रूप में हुई है. हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है. दो अन्य महिलाओं की तलाश के लिए प्रशासन, पुलिस और राहत-बचाव दल लगातार नदी में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं. मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद हैं और पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं.

मृतकों के परिजनों के मुताबिक सभी लोग घूमने और नहाने के लिए नदी पर गए थे. एक बच्ची के पानी में फिसलने के बाद उसे बचाने की कोशिश में यह हादसा हुआ. जिलाधिकारी अयोध्या ने बताया कि पांच लोग सरयू में डूबे हैं जिसमें से तीन बच्चियों है जिनकी उम्र 14 से 18 वर्ष के बीच की है एक महिला के डूब रही थी जिसको बचाने के चक्कर में पांचो लोग डूबे हैं. जिसमें तीन लोगों के शव को रिकवर कर लिया गया दो की तलाश अभी भी जारी है.

लखनऊ में 122 होटल, गेस्ट हाउस, मैरिज लॉन का निरीक्षण, बेसमेंट में चल रहीं अवैध गतिविधियों पर होगी कार्रवाई

मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक करके प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा की.

(जीएनएस)।

लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने मंगलवार को प्राधिकरण भवन के पारिजात सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करके प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने बेसमेंट में अवैध रूप से संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिये.

बैठक में उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अवगत कराया कि ज्वाइंट सर्वे में विभिन्न जोन में कुल 122 होटल, गेस्ट हाउस, मैरिज लॉन/बैन्क्वेट हॉल समेत अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कराया गया. जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों में संचालित प्रतिष्ठानों में अनाधिकृत निर्माण व सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया.

संयुक्त टीम की रिपोर्ट के अनुसार, गोमती नगर स्थित एक नामचीन होटल में गंभीर अनियमितताएं पाई गई हैं. स्वीकृत मानचित्र के अनुसार, 16वें तल पर जहां छत दशार्यी गयी थी, वहां बार संचालित मिला. इसके अलावा होटल प्रबंधन को लीज पर आवंटित की गयी ग्रीन बेल्ट की जमीन के नीचे अवैध रूप से बेसमेंट का निर्माण पाया गया.

इसी तरह एक होटल में बेसमेंट पार्किंग में बेकरी, स्टॉफ रूम व लॉन्ड्री संचालित मिली. इस क्रम में एक होटल में भी कुछ गड़बड़ी पायी गयी. इसके अलावा आशियाना में स्थित एक होटल में बेसमेंट में अवैध रूप से बैन्क्वेट हॉल संचालित पाया गया. वहीं, विभूतिखंड स्थित एक नामचीन होटल में बेसमेंट में पार्किंग की जगह बैन्क्वेट हॉल समेत अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन की बात सामने आयी.

मंडलायुक्त ने रिपोर्ट देखने के बाद ऐसे सभी प्रतिष्ठानों के खिलाफ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये. उन्होंने कहा कि जिन प्रतिष्ठानों में अवैध गतिविधियां मिली हैं, उन्हें तत्काल रोका जाए. अगर निर्धारित समय-सीमा के अंदर सम्बंधित भवन मालिक/प्रबंधक नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं करता है तो नियमानुसार कार्रवाई करते हुए परिसर को सील कर दिया जाए.

मंडलायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि जिन प्रतिष्ठानों में स्पष्ट रूप से अवैध निर्माण सम्बंधी खामियां उजागर हुई हैं. उन प्रतिष्ठानों को पूर्णतः प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई के लिए संस्तुति की जाए.

मंडलायुक्त ने जोनल अधिकारियों को निर्देश दिये कि होटल, कोचिंग सेंटर, कंप्यूटर क्लासेस, हॉस्पिटल/नर्सिंग होम, जिम समेत ऐसे सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सूची तैयार की जाए, जहां बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है. इसमें बेसमेंट में संचालित प्रतिष्ठानों की विशेष रूप से जांच की जाए. उन्होंने कहा कि सभी भवनों में सुरक्षा के मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित कराया जाए.

इस मौके पर एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार, सचिव विवेक श्रीवास्तव, मुख्य नगर नियोजक केके गौतम, अपर सचिव सीपी त्रिपाठी, संयुक्त सचिव अतुल कुमार व मुख्य अभियंता मानवेन्द्र सिंह समेत समस्त जोनल अधिकारी व अभियंता उपस्थित रहे.

लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह की हत्या में तीन पर दोष सिद्ध, अब 7 जुलाई को सजा पर होगी सुनवाई

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह की हत्या के मामले में तीन आरोपितों को दोषसिद्ध करते हुए जेल भेज दिया है। सजा के बिंदु पर सात जुलाई को सुनवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इंद्रदेव की पुत्री लक्ष्मी सिंह इस समय नोएडा की पुलिस आयुक्त और दामाद राजेश्वर सिंह लखनऊ सरोजनीनगर सीट से भाजपा विधायक हैं।

सीबीआइ मामलों के विशेष न्यायाधीश वायु नंदन मिश्रा के समक्ष सीबीआइ के अभियोजन अधिकारी केपी सिंह व वादी के विशेष अधिवक्ता आरके यादव ने बताया कि आठ अगस्त 2002 को शाम चार बजे कैसरबाग टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे पूर्व मंत्री बक्शी दीदी के घर के निकट अधिवक्ता इंद्रदेव सिंह की हत्या कर दी गई थी।

दर्ज कराया था हत्या का मुकदमा

मामले में उनकी पत्नी पीसीएस अधिकारी नयनतारा सिंह ने थाना कैसरबाग में रामकुमार वर्मा, सुरेश वर्मा, सुरजन वर्मा, सुरेश वर्मा उर्फ डाक्टर, सुषमा वर्मा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की जांच कर रही सीबीआइ की विवेचना में आरोपित मन्नालाल गुप्ता, वेद प्रकाश उर्फ नेता, विक्रम यादव कालिया, छोटेलाल और छोटू, बृजेश यादव उर्फ मुन्ना एवं पन्ना सिंह के नाम प्रकाश में आए, जिनमें विक्रम यादव उर्फ कालिया ने स्कूटर पर लिफ्ट लेने के बाद इंद्रदेव सिंह की कनपटी पर 12 बोर के तमंचे से गोली मार दी थी। सीबीआइ ने 2004 में आरोप पत्र प्रस्तुत किया था।

वर्ष 2004 में ही अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप तय किए गए थे।न्यायालय के समक्ष चली लंबी लड़ाई के उपरांत न्यायालय द्वारा तीन अभियुक्तों विक्रम यादव उर्फ कालिया, पन्ना सिंह और बृजेश यादव उर्फ मुन्ना को धारा 302 सपठित धारा 120 बी आइपीसी के अंतर्गत दोष सिद्ध किया गया है। मुकदमे की कार्यवाही के दौरान शेष तीन अभियुक्तों की मृत्य हो गई।

सेवारत शिक्षकों को परीक्षा के दिन मिलेगा विशेष अवकाश, लखनऊ में 46 केंद्रों पर 96,454 अभ्यर्थी होंगे शामिल

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (वढळएळ-2026) 2, 3 और 4 जुलाई को आयोजित होगी. परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट है. मंगलवार को लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी और संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने केंद्र व्यवस्थापकों, नोडल अधिकारियों, सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की.

वहीं वढळएळ-2026 में सम्मिलित होने वाले बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षक अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने हेतु 2, 3 एवं 4 जुलाई को विशेष अवकाश प्रदान करने का निर्णय लिया गया है. इस संबंध में विशेष सचिव बेसिक शिक्षा अवधेश कुमार तिवारी आवश्यक आदेश जारी कर दिया गया है.

डीएम ने बताया, लखनऊ में कुल 46 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं. 2 एवं 3 जुलाई को परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी. प्रथम पाली सुबह 09:30 बजे से 12:00 बजे तक तथा सेकेंड पाली दोपहर 2:30 बजे से 5:00 बजे तक आयोजित की जाएगी. 4 जुलाई 2026 को परीक्षा केवल प्रथम पाली (प्रातः 09:30 बजे से 12:00 बजे तक) में आयोजित होगी.

डीएम ने कहा, परीक्षा शुरू होने से 45 मिनट पहले सभी परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार की वीडियोग्राफी कराते हुए उन्हें बंद कर दिया जाए, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी. उन्होंने बताया, 2 जुलाई की प्रथम पाली में 19,734 एवं द्वितीय पाली में 19,734, 3 जुलाई को प्रथम पाली में 19,734 और द्वितीय पाली में 19,734 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे.

4 जुलाई को प्रथम पाली में 17,518 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे. जनपद में कुल 96,454 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे. परीक्षा के सफल संचालन हेतु जनपद में 46 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 46 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं.

डीएम ने बताया, रेलवे स्टेशन एवं बस स्टेशन पर हेल्पडेस्क स्थापित किए जाएंगे. इन हेल्पडेस्क पर परीक्षा से संबंधित जानकारी, परीक्षा केंद्रों की जियो-टैग लोकेशन तथा अन्य आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. अभ्यर्थियों द्वारा अपना प्रवेश पत्र प्रदर्शित करने पर उन्हें परीक्षा केंद्र की जियो-टैग लोकेशन सहित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी. हेल्पडेस्क पर सिविल डिफेंस के वार्डनों की तैनाती भी सुनिश्चित की जाएगी. उन्होंने निर्देश दिए कि 1 जुलाई शाम तक सभी हेल्पडेस्क क्रियाशील कर दिए जाएं.

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग एवं रेलवे अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेलवे स्टेशनों एवं बस अड्डों पर स्थापित सभी सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता सुनिश्चित कर ली जाए. विशेष रूप से चारबाग रेलवे स्टेशन एवं प्रमुख बस अड्डों पर रैन बसेरा/होल्डिंग एरिया की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जहां परीक्षार्थियों के लिए पेयजल एवं शौचालय की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध रहे.

उन्होंने जलकल को आवश्यकतानुसार पानी के टैंकर तथा नगर निगम को मोबाइल शौचालय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए. साथ ही परिवहन विभाग एवं रेलवे को परीक्षार्थियों की संभावित संख्या को देखते हुए आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बसों एवं ट्रेनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता पूर्व से ही सुनिश्चित कर ली जाए.

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के मोबाइल फोन एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री सुरक्षित रखने हेतु क्लॉक रूम की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए. उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ डिवाइस, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बैग, पर्स, बेल्ट, गॉगल्स, खाद्य सामग्री अथवा अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं ले जाना पूर्णतः वर्जित रहेगा.

जिलाधिकारी ने सभी केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों का प्रवेश, बायोमेट्रिक सत्यापन, तलाशी, गोपनीय परीक्षा सामग्री की सुरक्षा तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी निर्धारित मानकों एवं समय-सारिणी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें.

संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्र पर किसी भी कर्मचारी को मोबाइल रखने की अनुमति नहीं होगी. उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि परीक्षा सामग्री को पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के साथ संबंधित परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाए तथा प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए. साथ ही परीक्षा से एक दिन पूर्व सभी परीक्षा केंद्रों, विशेषकर शौचालयों सहित पूरे परिसर की सघन जांच कराने के निर्देश दिए.

प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया, वढळएळ-2026 में बड़ी संख्या में बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षक भी प्रतिभाग करेंगे. शिक्षकों को बिना किसी प्रशासनिक या कार्यगत बाधा के परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने विशेष अवकाश स्वीकृत किया है.

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षकों के ज्ञान, दक्षता और पेशेवर क्षमता को निरंतर सशक्त बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है. वढळएळ जैसी परीक्षाएं शिक्षकों को अपनी योग्यता बढ़ाने तथा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने का अवसर प्रदान करती हैं. इसलिए सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा में शामिल होने वाले किसी भी शिक्षक को अवकाश संबंधी कठिनाई का सामना न करना पड़े.

ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट के लिए अब बंथरा जाना होगा:लखनऊ का पहला डीएल और टेस्टिंग सेंटर शुरू, डीटीटीआई करेगी स्थायी लाइसेंस का टेस्ट

(जीएनएस)।

स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब लखनऊ के आवेदकों को ड्राइविंग टेस्ट देने के लिए बंथरा स्थित नए ड्राइविंग ट्रेनिंग एवं टेस्टिंग सेंटर जाना होगा। मंगलवार से शुरू हो रहे इस सेंटर का उद्घाटन प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह करेंगे।

परिवहन विभाग ने स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस के लिए ड्राइविंग टेस्ट कराने की जिम्मेदारी ड्राइविंग ट्रेनिंग एवं टेस्टिंग इंस्टीट्यूट (डीटीटीआई) को सौंप दी है। अब आवेदकों का टेस्ट आधुनिक ट्रैक पर तय मानकों के अनुसार कराया जाएगा। टेस्ट में सफल होने के बाद ही स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाएगा।

एआरटीओ ने दी जानकारी

एआरटीओ (प्रशासन) प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार से ड्राइविंग टेस्ट के लिए सभी आवेदकों को बंथरा स्थित सेंटर पर पहुंचना होगा। विभाग ने इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य ड्राइविंग टेस्ट प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीक आधारित बनाना है।

लखनऊ में चार सेंटर बनाने की योजना

परिवहन विभाग की योजना लखनऊ में कुल चार ड्राइविंग ट्रेनिंग एवं टेस्टिंग सेंटर स्थापित करने की है। फिलहाल बंथरा में पहला सेंटर शुरू किया जा रहा है। आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे सेंटर खोले जाएंगे, ताकि आवेदकों को सुविधा मिल सके और ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को और बेहतर बनाया जा सके।

रिजल्ट री-वैल्यूएशन की टेंशन खत्म! बिना नए मार्क्सशीट के भी ऊब में ऐसे पक्का करें अपना रजिस्ट्रेशन

(जीएनएस)।

दिल्ली यूनिवर्सिटी (DU) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अंडरग्रेजुएट (UG) एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। देशभर के लाखों छात्र इस समय अपने पसंदीदा कॉलेज और कोर्स में दाखिला पाने की तैयारी कर रहे हैं। इस साल भी यूनिवर्सिटी में प्रवेश का आधार उवएळ (UG) 2026 का स्कोर होगा और सभी उम्मीदवारों को कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (CSAS) 2026 पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

इसी बीच CBSE कक्षा 12 के उन छात्रों के लिए भी बड़ी राहत की खबर सामने आई है, जिन्होंने बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट का री-वैल्यूएशन कराया था, लेकिन अभी तक उनका संशोधित परिणाम जारी नहीं हुआ है। ऐसे कई छात्र इस बात को लेकर परेशान थे कि बिना नए रिजल्ट के क्या वे एडमिशन प्रक्रिया में शामिल हो पाएंगे या नहीं। अब दिल्ली यूनिवर्सिटी ने इस पूरे मामले पर स्थिति स्पष्ट करते हुए छात्रों के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिससे री-वैल्यूएशन का इंतजार कर रहे उम्मीदवार बिना किसी परेशानी के आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

री-वैल्यूएशन रिजल्ट का इंतजार कर रहे छात्र क्या करें?

दिल्ली यूनिवर्सिटी ने साफ किया है कि जिन छात्रों ने उइरए कक्षा 12 के रिजल्ट का री-वैल्यूएशन कराया है और अभी तक संशोधित रिजल्ट जारी नहीं हुआ है, उन्हें आवेदन करने में देरी नहीं करनी चाहिए। ऐसे छात्र उरअर 2026 पोर्टल पर फिलहाल अपने पुराने यानी री-वैल्यूएशन से पहले वाले बोर्ड अंक दर्ज करके आवेदन पूरा कर सकते हैं।

यूनिवर्सिटी का कहना है कि आवेदन के समय पुराने अंक भरने से किसी भी छात्र का रजिस्ट्रेशन रद्द नहीं होगा। इससे छात्र समय पर एडमिशन प्रक्रिया का हिस्सा बन सकेंगे और बाद में जरूरत पड़ने पर अपने अंक अपडेट भी कर पाएंगे।

संशोधित रिजल्ट आने के बाद बदल सकेंगे नंबर

उब ने छात्रों को भरोसा दिलाया है कि जैसे ही उइरए की ओर से री-वैल्यूएशन का संशोधित रिजल्ट जारी किया जाएगा, उम्मीदवार अपने नए अंक उरअर पोर्टल पर अपडेट कर सकेंगे। इसके लिए पोर्टल खुला रहेगा और छात्रों को अलग से मौका दिया जाएगा। यूनिवर्सिटी ने कहा कि केवल संशोधित रिजल्ट का इंतजार करने की वजह से आवेदन रोकना सही फैसला नहीं होगा। पहले रजिस्ट्रेशन पूरा करें और बाद में नए अंक जोड़ दें।

एडमिशन डीन ने छात्रों की चिंता की दूर

दिल्ली यूनिवर्सिटी की एडमिशन डीन हनीत गांधी ने बताया है कि जिन छात्रों का री-वैल्यूएशन रिजल्ट अभी तक नहीं आया है, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि उरअर पोर्टल कई सप्ताह तक खुला रहेगा, इसलिए उम्मीदवारों के पास अपने बोर्ड के संशोधित अंक अपडेट करने के लिए पर्याप्त समय रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूनिवर्सिटी पूरी प्रक्रिया को इस तरह चला रही है ताकि किसी भी छात्र को केवल री-वैल्यूएशन की वजह से नुकसान न उठाना पड़े। इसलिए सभी उम्मीदवार तय समय के भीतर आवेदन जरूर करें।

एडमिशन में सबसे अहम होगा CUET (UG) 2026 स्कोर

दिल्ली यूनिवर्सिटी ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि सभी अंडरग्रेजुएट कोर्स में दाखिला केवल CUET (UG) 2026 के स्कोर के आधार पर दिया जाएगा। इसका मतलब यह है कि मेरिट लिस्ट तैयार करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका उवएळ के अंकों की होगी। कक्षा 12 के बोर्ड अंकों का उपयोग मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि उम्मीदवार ने आवश्यक योग्यता पूरी की है और वह संबंधित कोर्स के लिए पात्र है।

यूपीः 'जो चढ़ावा चुरा सकते हैं, वे वोट और सांसद क्यों नहीं', अखिलेश यादव के हमले पर सीएम योगी का पलटवार

(जीएनएस)।

प्रयागराज , प्रयागराज में प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को भी सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि जो चढ़ावा चोरी कर सकते हैं, वे वोट और सांसद भी चोरी क्यों नहीं कर सकते हैं। इसलिए सभी को सावधान रहना होगा।

सिविल लाइंस स्थित एक होटल में प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि भाजपा को अब न तो चंदा मिलेगा, न ही दान। वोट भी अब कोई नहीं देगा। इसी कारण भाजपाई घबराए हैं। उन्होंने सच्चे सनातनियों से अपील की कि वे न तो भाजपा से टिकट मांगें और न ही वोट दें।

अखिलेश यादव ने कहा कि चंदा और दान चोरी आस्था और श्रद्धा का विषय है। इसके साथ खिलवाड़ किया गया है। मामले की जांच चल रही है। फैसला अब जनता की अदालत में होगा। अयोध्यावासी कह रहे हैं कि दान चोरी के तार कर्नाटक से जुड़े हैं। यही लोग चुनावी रणनीति में शामिल रहते हैं, जिसका भंडाफोड़ हो चुका है। सपा प्रमुख ने विधानसभा चुनाव में 90 फीसदी लोगों के एक साथ मिलकर मुकाबला करने की बात कही।

अखिलेश बोले-भाजपा काल में नदियां नहीं, अरबों का बजट साफ हुआ

अखिलेश ने नदियों की सफाई पर भी सरकार को घेरा। कहा कि सरकार संगम घाट, यमुना, काली नदी और गोमती नदी की सफाई पर करोड़ों रुपये प्रतिवर्ष खर्च करती है। ये योजनाएं बजट साफ करने के लिए बनाई जाती हैं। प्रयागराज में मेले पर 80 से 90 करोड़ रुपये खर्च हुए पर त्रिवेणी में बदलाव नहीं आया। उन्होंने मां गंगा की सफाई के वादे पर भी प्रश्न उठाए। अरबों रुपये खर्च होने के बाद भी गंगा का पानी साफ नहीं हुआ है। भाजपा के कार्यकाल में नदियां नहीं, अरबों का बजट साफ हुआ।

सपा प्रमुख ने कसा तंज कहा-एक मंत्री आधे साफ, चुनाव में पूरी तरह हो जाएंगे

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का भी गंभीर आरोप लगाया। वहीं, उन्होंने कहा कि प्रयागराज के एक मंत्री अभी तो वे आधे साफ हुए हैं, चुनाव में पूरी तरह हो जाएंगे। सपा प्रमुख ने प्रेसवार्ता के दौरान अच्छी सीख के महत्व पर जोर दिया। कहा कि अच्छी सीख इन्सान को बेहतर बनाती है। यह जिंदगी जीने का सही सबक सिखाती है।

सीएम योगी और अखिलेश के बीच वार-पलटवार

आदित्यनाथ ने मुरादाबाद में सपा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव वास्तव में धार्मिक आस्था का सम्मान करना चाहते हैं तो उन्हें खुलकर मथुरा-वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्ष में बोलना चाहिए। तुष्टिकरण से उबरना चाहिए। तभी जनता उनके बदले हुए रुख पर विश्वास करेगी। इस पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में पलटवार किया कि अयोध्या में चंदा चोरी करने के बाद क्या अब मथुरा में "माखन" चुराने का प्लान है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

राममंदिर में चोरी वीएचपी का स्पष्टीकरण

अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के बाद विश्व हिन्दू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक वुमार ने मंगलवार को दो टूक कहा कि श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को कार्यो से पूरी तरह अलग करते हुए कहा कि 'हमारा काम अब पूरा हुआ' मतलब यह कि विश्व हिन्दू परिषद का आन्दोलन मात्र श्रीराम जन्म स्थल को बाबरी छाया से मुक्त कराना था। अब वहां पर मंदिर की व्यवस्था किस तरह चल रही है, इससे वीएचपी को वुछ भी लेना-देना नहीं है।

दरअसल विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल ने पूर्व सर संघ चालक बाला साहब देवरस के सलाह के बाद 1980 के दशक में राम जन्म भूमि आन्दोलन चलाने का पैसला किया। उन्होंने इस आन्दोलन में किसी एक पाटा से सहयोग नहीं मांगा बल्कि सभी पार्टियों एवं वर्गो को शामिल किया। कई कांग्रेस के जाने-माने नेताओं ने विश्व हिन्दू परिषद के साथ मिलकर आन्दोलन को सशक्त एवं प्रभावी बनाया। इसका असर यह हुआ कि देश के तमाम सेवानिवृत्त हाईं कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों, पूर्व मंत्रियों, सांसदों और विधायकों ने खुद को राम जन्म भूमि आन्दोलन में झोंक दिया।

विश्व हिन्दू परिषद ने नए सिरे से राम जन्म भूमि मुक्ति के संघर्ष की रणनीति बनाई। पहली जनजागृति जिसके माध्यम से हिन्दू समाज को इस समस्या के प्रति जागरुक करने की कोशिश की गई। दूसरा मुस्लिम समाज से समझौते का प्रयास और तीसरा अदालती लड़ाई। विश्व हिन्दू परिषद ने तीनों ही रणनीति अपनाई। अदालतों में श्रीराम लला को वादी बनाने का काम विश्व हिन्दू परिषद ने ही किया। अंत में सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी ढांचे की जमीन रामलला को ही सौंपी थी। मतलब यह कि रामजन्म भूमि की हर स्तर पर लड़ाई को जीतने वाली विश्व हिन्दू परिषद को उसी वक्त दूर हट जाना चाहिए था। श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के विकास के लिए किसी स्वतंत्र न्यास को सौंप दिया जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और विश्व हिन्दू परिषद ने इस प्रोजेक्ट में निवेश किया और जमकर श्रेय व लाभ लेने में जुट गए।

हैरानी होती है कि एक तरफ दक्षिण भारत के मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण को लेकर संघ परिवार आपत्ति उठाता है जबकि श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बनाकर जिस तरह इस नवनिर्मित मंदिर पर नियंत्रण किया गया, उससे विश्व हिन्दू परिषद कभी अलग नहीं था। चंपत राय विश्व हिन्दू परिषद के चमकते चेहरा थे किन्तु अब जब मंदिर के चंदाचोरी का सच सामने आया तो बदनामी के डर से विश्व हिन्दू परिषद का ऐसा बयान आना स्वभाविक है। चंपत राय ने ट्रस्ट के महासचिव पद से त्याग पत्र भी तभी दिया जब उन्हें लगा कि उनसे वीएचपी नाराज है और केन्द्र व राज्य सरकारों का तेवर चन्दाचोरी के प्रति कठोर है।

सच तो यह है कि जिन लोगों ने चन्दाचोरी की है उनके खिलाफ तो कानूनी कार्रवाई और अदालती कार्यर्वाही सब वुछ होगा किन्तु उस नैतिकता और विश्वास क्षरण का क्या होगा जिसके लिए ट्रस्ट के लोग प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार हैं। चंपत राय वीएचपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे और रामजन्म भूमि विवाद पर अधिवृत विश्लेषक माने जाते थे। सुप्रीम कोर्ट में वे प्रतिदिन सुबह 10 बजे कोर्ट रूम में प्रवेश करते थे और सायं कार्यर्वाही खत्म होने के बाद ही बाहर निकलते थे। सुप्रीम कोर्ट का पैसला आने के बाद जो भी महत्वपूर्ण पैसले केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा किए गए वे सभी विश्व हिन्दू परिषद के अधिवृत प्रतिनिधि होने के कारण चंपत राय के साथ किए गए सलाह-मशवरे के बाद ही लिए गए थे। ऐसा नहीं है कि वीएचपी को चंपत राय की भूमिका पर गर्व नहीं था। किंतु अब जबकि स्थिति चंपत राय के बिल्वुल विरुद्ध हो गईं है तो विश्व हिन्दू परिषद खुद को उनकी गतिविधियों से अलग करते हुए स्पष्टीकरण दे रहा है कि मंदिर के कामकाज में उसकी भूमिका नहीं है।

'भारत दुनिया का इकलौता देश जो देता है चीन को टक्कर', अमेरिका ने मान लिया लोहा

अमेरिकी विदेश विभाग में आर्थिक विकास के अंडर सेक्रेटरी जैकब हेलबर्ग ने भारत की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि चीन को कोई टक्कर दे सकता है तो वह सिर्फ भारत ही है।

भारत अमेरिका संबंध

वॉशिंगटनः अब अमेरिका ने भी भारत की पावर का लोहा मान लिया है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता की तारीफ करते हुए अमेरिकी विदेश विभाग में आर्थिक विकास के अंडर सेक्रेटरी जैकब हेलबर्ग ने कहा है कि भारत दुनिया का 'इकलौता ऐसा देश है जो असल में चीन को टक्कर देता है'। खासकर अपनी वर्कफोर्स और टैलेंट पूल की गहराई के मामले में। जैकब हेलबर्ग ने ये बातें वॉशिंगटन में नौवें वर-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (वरक्रढक्र) लीडरशिप समिट में मास्टरकार्ड के चीफ गवर्नमेंट अफेयर्स एंड पॉलिसी ऑफिसर टकर फूट के साथ बातचीत के दौरान कहीं।

चीन पर वैश्विक निर्भरता कम करने में भारत अहम पार्टनरः जैकब

आर्थिक विकास, ऊर्जा और पर्यावरण के लिए अमेरिकी अंडर सेक्रेटरी ऑफ स्टेट जैकब हेलबर्ग ने सुरक्षित टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम बनाने और चीन पर वैश्विक निर्भरता कम करने में भारत को एक अहम पार्टनर बताया।

जैकब हेलबर्ग ने कहा कि मौजूदा ग्लोबल सप्लाई चेन का ढांचा इसी तरह नहीं चल सकता, क्योंकि यह भौगोलिक रूप से कुछ ही जगहों पर बहुत ज्यादा फोकस है और इसमें रुकावट आने का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा, 'आज जैसी सप्लाई चेन हैं, वे भौगोलिक और विषय के आधार पर कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा केंद्रित हैं। और उन्हें अलग-अलग जगहों पर फैलाने (डाइवर्सिफाई करने) की जरूरत है।'

भारत पैक्स पर सबसे पहले दस्तखत करने वाले देशों में से एक था

जैकब हेलबर्ग ने कहा, 'हमारे लिए भारत एक बेहद अहम पार्टनर है।' उन्होंने बताया कि भारत ढअ डिक्लेरेशन पर सबसे पहले साइन करने वाले देशों में से एक था और प्रशासन की टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिप्लोमेसी में भी उसने अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने बताया कि वे फरवरी में भारत के अक इम्पैक्ट समिट के लिए भारत गए थे, जहां दोनों पक्षों ने भारत के शामिल होने का स्वागत किया और अक के मौकों पर एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया।

भारत इसलिए भी बहुत दिलचस्प है क्योंकि न सिर्फ हमारे और भारत के मूल्य एक जैसे हैं, बल्कि इंजीनियरिंग वर्कफोर्स और टैलेंट पूल की गहराई के मामले में भारत ही दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो असल में चीन को टक्कर देता है। - **जैकब हेलबर्ग, अमेरिकी अंडर सेक्रेटरी ऑफ स्टेट**

भारत क्यों है खास, जैकब ने बताया

जैकब हेलबर्ग ने बताया-अक के मौकों पर एक जॉइंट स्टेटमेंट वाले बयान से बाद में एक बड़े घोषणा-पत्र को तैयार करने में मदद मिली, जिस पर एक समिट में 35 देशों ने मिलकर हस्ताक्षर किए थे। हेलबर्ग ने कहा कि भारत इसलिए खास है, क्योंकि इसमें लोकतांत्रिक सोच, इंजीनियरिंग टैलेंट, मिनरल रिफाइनिंग की क्षमता और तेजी से बढ़ता टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम, ये सभी चीजें मौजूद हैं।

अमेरिका तकनीकी तरक्की को सहयोगियों के बीच जीरो-सम मुकाबले यानी एक की जीत दूसरे की हार के तौर पर नहीं देखता है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में दूसरी कंपनियों की कामयाबी से वॉशिंगटन को कोई खतरा महसूस नहीं होता, क्योंकि टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री एक ऐसा हिस्सा है जो समय के साथ बढ़ती रहती है।

दिसंबर में अमेरिका जाएंगे पीएम मोदी! सर्जियो गोर का दावा, आखिर क्यों वॉशिंगटन से आ रहा है बार-बार न्यौता?

(जीएनएस)।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिसंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका जाने वाले हैं और वो उनके स्वागत को तैयार हैं. हालांकि भारत की ओर से अब तक इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है. उधर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी एक बार फिर भारत आने के लिए तैयार हैं. ऐसे में सवाल ये उठता है कि अमेरिका के बार-बार पीएम को वॉशिंगटन बुलाने का मकसद क्या है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल दिसंबर में अमेरिका की यात्रा कर सकते हैं. भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने इस बात की जानकारी दी, हालांकि भारत की ओर से अब तक इस दौरे की पुष्टि नहीं की गई है. दरअसल इसी वक्त जी-20 शिखर सम्मेलन होने वाला है, जिसमें पीएम मोदी के जाने की संभावना है. सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका प्रधानमंत्री मोदी का एक बार फिर स्वागत करने के लिए उत्सुक है, वो बात अलग है कि इसे लेकर अब तक प्रधानमंत्री का कोई कार्यक्रम आधिकारिक तौर पर जारी नहीं हुआ है.

अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के नेतृत्व सम्मेलन के दौरान सर्जियो गोर ने बताया कि हाल ही में भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका आने का निमंत्रण दिया था. उस वक्त भी पीएम मोदी की ओर से उन्हें जवाब नहीं दिया गया था. उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौता भी जल्द अंतिम रूप ले सकता है. गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और दोनों देशों की कंपनियां एक-दूसरे के यहां निवेश और कारोबार बढ़ा रही हैं.

मार्को रुबियो भी फिर भारत आने को तैयार

अमेरिका भारत के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को और गहरा बनाने पर जोर दे रहा है. अमेरिका के भारत में राजदूत सर्जियो गोर ने घोषणा की है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो इस साल के अंत में भारत का दूसरा दौरा करेंगे. गोर ने वर-क्ल्ल्र्ग र३१३्रॅ ढं१३ल्ली१३ॅस्र ऋ्ढ्ढ१४ (वरक्रढक्र) लीडरशिप समिट 2026 में कहा कि अमेरिका को भारत पर पूरा भरोसा है. भारत को अमेरिका का विश्वसनीय और मजबूत रणनीतिक साझेदार माना जाता है. गोर ने कहा कि अमेरिकी कंपनियों का भारत में निवेश करने का भरोसा अब ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है.

गोर ने कहा कि व्यापार समझौते पर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, हालांकि इसमें हजारों वस्तुओं और कई कानूनी पहलुओं पर सहमति बनानी है. ऐसे में प्रक्रिया थोड़ी जटिल है, लेकिन सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है. एक बार फिर से गोर ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, भारत के साथ रिश्तों को काफी महत्वपूर्ण मानते हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने में दिलचस्पी ले रहे हैं. यूएसआईएसपीएफ के मानद वरिष्ठ सलाहकार अल मेसन ने इस मौके पर कहा कि कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्तों में नई एनर्जी आ चुकी है और अब ये मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं.

भारत-अमेरिका के रिश्तों में तनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद उनकी टैरिफ पॉलिसी से लेकर पाकिस्तान को समर्थन देने के मुद्दे पर दोनों देश चुनौतियों का सामना कर रहे थे. हालांकि अब स्थिति बेहतर हो रही है लेकिन भारत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है. एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा होती है और व्यापार समझौता भी तय हो जाता है, तो इससे भारत-अमेरिका रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती मिलेगी लेकिन अमेरिकी एक्सपर्ट माइकल रुबिन ने मार्को रुबियो के दौरे के तुरंत बाद कहा था कि भारत को फूंक-फूंककर कदम रखना चाहिए. उन्होंने उसी वक्त कहा था कि मार्को रुबियो के निमंत्रण पर भारतीय पीएम को अमेरिका अभी नहीं जाना चाहिए.

क्यों अमेरिका की भूमिका है संदेहपूर्ण?

अमेरिका भारत के साथ व्यापार तो करना चाहता है, ये बिल्कुल साफ है लेकिन भारत पिछली घटनाओं और डोनाल्ड ट्रंप के व्यवहार को देखते हुए पूरा भरोसा करने की स्थिति में नहीं है. माइकल रुबिन ने इस ओर भी ध्यान दिलाया था कि रुबियो 31 देशों की यात्रा के बाद भारत आए हैं, जो उनकी प्रायोरिटी को दिखाता है. इतना ही नहीं खुद डोनाल्ड ट्रंप और हाल ही में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी खुले मंच से आसिम मुनीर के प्रति अपना जो प्रेम दिखा चुके हैं, वो भी भारत को उस

रात 11:30 बजे फेमस एक्ट्रेस का पीछा करता रहा शख्स, बीच सड़क की 'गंदी' हरकतें, दावा सुन दहल जाएंगे आप

(जीएनएस)।

कन्नड़ फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस दिव्या सुरेश एक बार फिर सुर्खियों में छा गई हैं लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या शो नहीं बल्कि उनके साथ हुई एक कथित परेशान करने वाली घटना है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए दावा किया है कि बेंगलुरु में देर रात उनके साथ ऐसी घटना हुई, जिसने उन्हें झकझोर कर रख दिया है। उनके अनुसार एक अज्ञात व्यक्ति ने उनका और उनकी कजिन का पीछा किया और रास्ते भर अश्लील हरकतें करता रहा।

बेंगलुरु की सड़कों पर एक्ट्रेस के साथ कथित बदसलूकी

एक्ट्रेस दिव्या सुरेश के इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर महिला सुरक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई है और कई लोग इस मामले पर चिंता जता रहे हैं। दिव्या सुरेश के मुताबिक ये घटना रात करीब 11:30 बजे की है। वह अपनी कजिन के साथ घर लौट रही थीं और अपनी कार की ओर जा रही थीं। तभी एक व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया।

दिव्या ने कहा- वो पीछे चल रहा था और गंदी हरकत कर रहा था

दिव्या सुरेश का आरोप है कि वह व्यक्ति उनके पीछे-पीछे चलता रहा और सरेआम की गंदगी हरकतें करता रहा। दिव्या सुरेश ने कहा- पीछा करते हुए वह शख्स खुलेआम अपने प्राइवेट पार्ट्स को छू रहा था। दिव्या सुरेश के अनुसार उन्होंने और उनकी कजिन ने उस व्यक्ति को रोकने और टोकने की कोशिश भी की लेकिन वह नहीं रुका। उनका कहना है कि जब तक वह दोनों अपनी कार में सुरक्षित नहीं बैठ गईं, तब तक वह शख्स उनका पीछा करता रहा।

इंस्टाग्राम पर बयां किया डरावना अनुभव

दिव्या सुरेश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस घटना का जिक्र करते हुए बताया है कि ये अनुभव उनके लिए बेहद असहज और डराने वाला था। उन्होंने कहा कि किसी भी महिला को सिर्फ इसलिए असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए क्योंकि वह रात में बाहर निकली है। एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट में सवाल उठाया कि आखिर महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के जो दावे किए जाते हैं, वह जमीन पर कितने प्रभावी हैं। उन्होंने इस घटना को शेयर करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई।

वीडियो भी किया था शेयर, पुलिस कार्रवाई का इंतजार

-दिव्या सुरेश ने कथित तौर पर इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था। वीडियो में वह और उनकी कजिन उस व्यक्ति की हरकतों की ओर ध्यान दिलाती दिखाई दे रही थीं।

भारत-इंग्लैंड मैच में विलेन बनेगी बारिश? मुकाबले से पहले फैंस को मिली बुरी खबर!

(जीएनएस)।

आयरलैंड के खिलाफ मिली करारी शिकस्त के बाद भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार यानी 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज की शुरूआत करने जा रही है। क्रिकेट फैंस उम्मीद जता रहे हैं कि इस मुकाबले में 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आखिरकार अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का मौका मिलेगा। हालांकि, फैंस और टीम इंडिया की उम्मीदों पर मौसम पानी फेर सकता है, क्योंकि चेस्टर-ली-स्ट्रीट (डरहम) में होने वाले इस पहले मुकाबले पर बारिश का बड़ा साया मंडरा रहा है।

मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक बुधवार को मैच के दिन डरहम काउंटी में मौसम का मिजाज काफी बिगड़ा रहेगा। दिन के समय आसमान में लगभग 99 प्रतिशत घने बादल छाए रहने का अनुमान है। इसके साथ ही बारिश की आशंका 80 प्रतिशत तक बनी हुई है। जबकि गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना 16 प्रतिशत है।

बारिश का मैच पर पड़ेगा कितना प्रभाव?

मौसम रिपोर्ट के मुताबिक मैच के दौरान कम से कम 1.5 घंटे (90 मिनट) तक लगातार या रुक-रुक कर बारिश होने का पूर्वानुमान है। दोपहर में जब स्थानीय समयानुसार टॉस का वक्त होगा, तब भी क्लाउड कवर लगभग 94 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। यहां का अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा, जो बेलफास्ट (आयरलैंड) के मुकाबले काफी ठंडा है। हवा की रफ्तार 11 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है, जबकि हवा के झोंके 35 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में भारत का पलड़ा भारी

भले ही हालिया सीरीज में भारत को आयरलैंड के हाथों 2-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा हो। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय टीम का पुराना रिकॉर्ड मजबूत है। दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए मुकाबलों में भारत ने 18 मैचों में जीत दर्ज की है। जबकि 12 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। दोनों देशों के बीच आखिरी भिड़ंत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुई थी, जहां जैकब बेथेल के शानदार शतक के बावजूद टीम इंडिया ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को 7 रनों से शिकस्त दी थी।

कप्तान अय्यर के सामने कॉम्बिनेशन की चुनौती

नए कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम मैनेजमेंट इस मुकाबले में युवाओं को आजमाना चाहेगा, बशर्ते बारिश खेल को ज्यादा प्रभावित न करे। यदि मैच के ओवरों में कटौती होती है, तो कप्तानी की रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, हर्षित राणा, ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंडः हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, जोस बटलर (विकेटकीपर), जेम्स कोल्स, जॉर्डन कॉक्स (विकेटकीपर), सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल साल्ट (विकेटकीपर), जोश टंग और ल्यूक वुड।

पंजाब के खिलाड़ियों के लिए बड़ा तोहफा! संगरूर में बना विश्वस्तरीय ओलंपिक पूल, अब निकलेंगे इंटरनेशनल तैराक

(जीएनएस)।

पंजाब के संगरूर जिले में खेल सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। वार हीरोज स्टेडियम में एक अत्याधुनिक ओलंपिक स्तर का स्विमिंग पूल तैयार किया गया है, जिसे मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जनता को समर्पित किया। करीब 9.50 करोड़ रुपये की लागत से बने इस प्रोजेक्ट में विश्वस्तरीय सुविधाएं दी गई हैं, ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग मिल सके।

सरकार का दावा है कि इस सुविधा से अब तैराकी के क्षेत्र में नए खिलाड़ी तैयार होंगे और पंजाब का नाम देश-दुनिया में और मजबूत होगा। यह स्विमिंग पूल स्थानीय युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर माना जा रहा है, जिससे उन्हें बेहतर अभ्यास और प्रशिक्षण का माहौल मिलेगा।

संगरूर में आधुनिक खेल सुविधा

वार हीरोज स्टेडियम, संगरूर में तैयार किया गया यह स्विमिंग पूल अब पूरी तरह खिलाड़ियों के लिए खोल दिया गया है। इसे ओलंपिक मानकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, ताकि यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट आसानी से अभ्यास कर सकें। इस सुविधा से जिले में खेल गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

इस स्विमिंग पूल का उद्घाटन मुख्यमंत्री ईँ६ंल्ल३ टंल्लल्ल ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य पंजाब को खेलों में अग्रणी बनाना है और इसके लिए लगातार नई सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को बेहतर अवसर देने के लिए खेल ढांचे को मजबूत किया जा रहा है।

9.50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार

इस आधुनिक स्विमिंग पूल को बनाने में लगभग 9.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें खिलाड़ियों की ट्रेनिंग के लिए जरूरी सभी आधुनिक सुविधाएं शामिल की गई हैं। पूल को इस तरह तैयार किया गया है कि यहां शुरूआती स्तर से लेकर प्रोफेशनल स्तर तक के खिलाड़ी अभ्यास कर सकें।

खिलाड़ियों के लिए बड़ा फायदा

इस सुविधा के शुरू होने से संगरूर और आसपास के क्षेत्रों के खिलाड़ियों को अब बाहर जाकर ट्रेनिंग लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे यहीं पर बेहतर कोचिंग और अभ्यास कर सकेंगे। इससे उम्मीद है कि आने वाले समय में पंजाब से तैराकी में कई नए प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आएंगे।

भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 में वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू पक्का?

(जीएनएस)।

भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 क्रिकेट का रोमांच शुरू होने जा रहा है। दोनों टीमें इस सीरीज में जीत के साथ आगाज करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी। भारतीय टीम नए संयोजन के साथ चुनौती पेश करेगी, जबकि मेजबान इंग्लैंड घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। ऐसे में पहले मुकाबले को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है।

अगर आप भी जानना चाहते हैं कि भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी20 मुकाबला कब खेला जाएगा, किस मैदान पर होगा, कितने बजे शुरू होगा और भारत में इसका लाइव प्रसारण कहां देखा जा सकेगा, तो यहां पूरी जानकारी दी गई है।

सीरीज का पहला टी20 मुकाबला रिवरसाइड ग्राउंड, चेस्टर-ले-स्ट्रीट (इंग्लैंड) में आयोजित होगा। यह मैदान डरहम का घरेलू मैदान है और

यहां की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। साथ ही शुरूआती ओवरों में बल्लेबाजों को भी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

भारत और इंग्लैंड का पहला टी20 कितने बजे शुरू होगा?

यह मुकाबला स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे शुरू होगा। वहीं भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए मैच का आगाज भारतीय समयानुसार रात 11:00 बजे होगा। ऐसे में भारतीय दर्शकों को मुकाबला देखने के लिए देर रात तक जागना होगा।

भारत में भारत बनाम इंग्लैंड पहला टी20 लाइव कहां देखें?

भारत में इस मुकाबले का सीधा प्रसारण Sony Sports Network पर किया जाएगा। वहीं जो दर्शक मोबाइल, लैपटॉप या स्मार्ट टीवी पर मैच देखना चाहते हैं, वे So»»fyLIV ऐप और वेबसाइट के जरिए इसकी लाइव स्ट्रीमिंग का आनंद ले सकते हैं।

रिवरसाइड ग्राउंड की खास बातें क्या हैं?

रिवरसाइड ग्राउंड इंग्लैंड के प्रमुख क्रिकेट मैदानों में से एक है। इस स्टेडियम की सामान्य दर्शक क्षमता करीब 5,000 है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के दौरान इसे बढ़ाकर 17,000 तक किया जा सकता है। इस मैदान के दो प्रमुख एंड फिंचेल एंड और लम्ली एंड हैं, जो गेंदबाजों के लिए अलग-अलग एंगल उपलब्ध कराते हैं।

वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू की उम्मीद

आयरलैंड दौरे पर वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया से खेलने का मौका नहीं मिला था, तब टीम मैनेजमेंट की काफी आलोचना हुई थी। उम्मीद की जा रही है कि इस मैच में वैभव सूर्यवंशी डेब्यू करेंगे।

डीएम कार्यालय पर किसान यूनियन का धरना, एक माह बाद फिर उठाई गई किसानों-गरीबों की आवाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित जिलाधिकारी (डीएम) कार्यालय पर आज भारतीय किसान यूनियन के महासचिव राकेश यादव के नेतृत्व में किसानों और गरीबों की समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि किसानों और कमजोर वर्गों के साथ अन्याय हो रहा है, जिसके विरोध में वे डीएम कार्यालय पहुँचे और अपनी आवाज बुलंद करी किसान यूनियन के नेताओं ने बताया कि लगभग एक माह पहले भी इसी मुद्दे को लेकर धरना दिया गया था, लेकिन उस समय प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद आज दोबारा बड़ी संख्या में किसान डीएम कार्यालय पहुँचे और अपनी मांगों को दोहराया गया धरने के दौरान किसानों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करने और लंबित समस्याओं का समाधान करने की मांग करी गई प्रदर्शन के बाद यूनियन के नेताओं ने दावा किया कि आज डीएम कार्यालय से उन्हें सकारात्मक आश्वासन और अच्छी अपडेट मिली है। किसान नेताओं का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन पर जल्द अमल नहीं हुआ, तो आंदोलन को आगे और तेज किया जाएगा।

मलिहाबाद में पुलिस का सख्त पहरा अपराध और अव्यवस्था पर लगाम

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद पुलिस अपराधियों असामाजिक तत्वों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चला रही है। थाना प्रभारी सुरेंद्र भाटी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मलिहाबाद चौराहे पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाकर कानून व्यवस्था बनाए रखने का सख्त संदेश दिया।

अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे लोगों को रोककर यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। थाना प्रभारी सुरेंद्र भाटी ने स्वयं वाहन चालकों को जागरूक करते हुए कहा, सड़क पर आपकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाएं। यातायात नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। इसके अलावा चौराहे और आसपास के क्षेत्रों में सड़क पर गलत तरीके से खड़े वाहनों के चालान किए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध पार्किंग के कारण जाम की समस्या उत्पन्न होती है, इसलिए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है।

थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग करने, शांति व्यवस्था भंग करने या आम लोगों को परेशान करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अराजकता या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा मलिहाबाद क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखना और आम जनता को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना हमारी पहली प्राथमिकता है। कानून सभी के लिए समान है। जो भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के इस अभियान को स्थानीय लोगों ने सराहनीय बताया। लोगों का कहना है कि लगातार चल रही चेकिंग और सख्त कार्रवाई से अपराधियों में कानून का डर बढ़ेगा, यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और आम नागरिक खुद को अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे।

मलिहाबाद पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

मलिहाबाद में किसानों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं: विद्यावती रावत

भाकियू राजू गुट की महिला जिलाध्यक्ष ने दी चेतावनी, जुलाई के दूसरे सप्ताह में होगा विशाल आंदोलन

मलिहाबाद लखनऊ।भारतीय किसान यूनियन राजू गुप्ता संगठन की महिला जिलाध्यक्ष विद्यावती रावत ने मलिहाबाद क्षेत्र के किसानों पर हो रहे कथित अत्याचार को लेकर भारी आक्रोश जताया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जुलाई के दूसरे सप्ताह में 168 विधानसभा क्षेत्र मलिहाबाद में विशाल आंदोलन किया जाएगा।

विद्यावती रावत ने कहा कि मलिहाबाद के किसान लगातार परेशान हैं। उनकी मुख्य समस्याएं हैं:

1. बिजली विभाग: अघोषित कटौती, गलत बिल व 11000 लाइन पर सपोर्ट के लिए खंभा नही लगा और ट्रांसफार्मर समय पर न बदलना 2.थाने पर किसानों की सुनवाई न होना और छोटे मामलों में भी उत्पीड़न के आरोप 3. तहसील स्तर: वरासत, पैमाइश और भूमि विवादों का समय पर निस्तारण न होना। 4 विकासखंड में लिखित बिंदु पर समाधान न होने पर

जनता पर अत्याचार का आरोप

महिला जिलाध्यक्ष ने कहा कि 168 विधानसभा क्षेत्र मलिहाबाद की जनता पर आए दिन किसी न किसी विभाग द्वारा अत्याचार किया जा रहा है। गरीब किसान, मजदूर और महिलाएं सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही।

विद्यावती रावत ने बताया कि संगठन ने तय किया है कि जुलाई के दूसरे सप्ताह में मलिहाबाद तहसील ग्राउंड पर हजारों किसानों के साथ विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। मांगें पूरी न होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी किसान संगठनों, सामाजिक कार्यकताओं और जनता से आंदोलन में शामिल होंगे

मलिहाबाद की सियासत में 2023 के चुनाव की तपिश कायम, समर्थकों का ऐलान- 2027 का पिक्चर अभी बाकी है

नरेन्द्र यादव उर्फ. 'काटू' की हार को बताया 'जनादेश के साथ छल राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज

(जीएनएस)।

मलिहाबाद, लखनऊ` नगर पंचायत मलिहाबाद का सियासी तापमान एक बार फिर बढ़ गया है। वजह है 2023 में हुए चेयरमैन चुनाव की हार नरेन्द्र यादव उर्फ 'काटू ' के समर्थकों के दिलों में आज भी जिंदा है। समर्थकों का आरोप है कि 2023 का चुनाव बड़े नेताओं की मिलीभगत के चलते 'काटू ' के हाथ से निकल गया था।

नगर पंचायत क्षेत्र में चाय की दुकानों से लेकर नुक्कड़ की चौपालों तक आज भी 2023 के चुनाव की चर्चा आम है। नरेन्द्र यादव के समर्थकों का कहना है कि चुनाव के नतीजे ने पूरे क्षेत्र में मायूसी फैला दी थी। उनका आरोप है कि कुछ प्रभावशाली नेताओं ने एकजुट होकर सियासी समीकरण बिगाड़े, जिसके कारण 'काटू ' को हार का सामना करना पड़ा। समर्थकों के अनुसार, माता-बहनों और बुजुर्गों में उस हार को लेकर आज भी गहरी नाराजगी है।

'काटू यादव' के करीबी लोगों ने अब 2027 के नगर निकाय चुनाव के लिए कमर कस ली है। समर्थकों का नारा है, 2023 भूलेंगे नहीं, 2027 का पिक्चर अभी बाकी है। उनका दावा है कि जनता उन नेताओं को जवाब देगी जिनकी वजह से नरेन्द्र यादव को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। समर्थक इसे 'जनता के विश्वास की हार' बता रही हैं, जबकि विरोधी खेमा इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का नतीजा मान रहे है।

नरेन्द्र यादव स्थानीय स्तर पर 'काटू ' के नाम से खास पहचान रखते हैं। समाजसेवा और मजबूत जनसंपर्क के दम पर उन्होंने 2023 का चेयरमैन चुनाव लड़ा था। चुनाव भले ही वे हार गए, लेकिन क्षेत्र में उनकी सक्रियता लगातार बनी हुई है। समर्थकों का मानना है कि जमीनी पकड़ और युवाओं के बीच लोकप्रियता उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

2027 के नगर निकाय चुनाव से पहले ही इस तरह की बयानबाजी ने मलिहाबाद का सियासी पारा चढ़ा दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर 'काटू यादव' दोबारा मैदान में उतरते हैं तो मुकाबला बेहद दिलचस्प होगा। 2023 की हार का बदला और 2027 की तैयारी, दोनों को लेकर समर्थकों में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है।

फिलहाल नगर पंचायत की फिजा में 2027 की आहट साफ सुनाई देने लगी है। अब देखना यह होगा कि जनता 2023 के नतीजों को याद रखकर क्या फैसला करती है।

कसमंडी खुर्द में करीब 50 कैरेट आम की चोरी, पीड़ित ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का लगाया आरोप

(जीएनएस)।

मलिहाबाद (लखनऊ)। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत कसमंडी खुर्द गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक बाग से लगभग 50 कैरेट आम तोड़कर चोरी कर लिए। घटना से बाग मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है पीड़ित ने मामले की लिखित तहरीर थाना मलिहाबाद में देकर कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि तहरीर दिए जाने के बावजूद समाचार लिखे जाने तक पुलिस कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर सकी है। इससे क्षेत्र के बागवानों में नाराजगी और चिंता का माहौल है पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द चोरों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा हुए नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रही आम की चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त बढ़ाई जानी चाहिए फिलहाल पुलिस की ओर से मामले में आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट से झटका, उच्चतम न्यायालय ने खारिज की सीबीआई जांच की मांग

(जीएनएस)।

भोजपुर के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट से याचिकाकताओं को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने CBI जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि इस मामले में संबंधित हाईकोर्ट का रुख किया जा सकता है। हालांकि, इसी बीच मामला राष्ट्रपति भवन तक भी पहुंच चुका है।

राष्ट्रपति सचिवालय ने ईमेल याचिका पर संज्ञान लेते हुए बिहार के मुख्य सचिव से आवश्यक कार्रवाई करने और रिपोर्ट देने को कहा है। उधर, भरत तिवारी की तेरहवीं में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की तैयारी है और कथित दोषी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी की मांग भी लगातार तेज होती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों नहीं सुनी CBI जांच की मांग?

सुप्रीम कोर्ट ने उइक जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि आखिर इस मामले में सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों आया गया। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि याचिकाकर्ता का इस मामले से क्या संबंध है। कोर्ट ने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच की मांग करनी है तो संबंधित हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की जा सकती है। इसके बाद याचिका खारिज कर दी गई।

फर्जी एनकाउंटर का आरोप, परिवार क्या कह रहा है?

भरत भूषण तिवारी की मौत भोजपुर में पुलिस मुठभेड़ के दौरान हुई थी। परिवार का आरोप है कि यह कोई असली एनकाउंटर नहीं बल्कि सुनियोजित फर्जी मुठभेड़ थी। इसी वजह से पुलिस जांच पर भरोसा नहीं जताते हुए उइक से जांच कराने की मांग उठाई गई। याचिकाकताओं का कहना है कि निष्पक्ष जांच के बिना सच्चाई सामने नहीं आएगी और दोषियों पर कार्रवाई संभव नहीं होगी।

राष्ट्रपति सचिवालय ने भी लिया मामले का संज्ञान

सुप्रीम कोर्ट में राहत नहीं मिलने के बावजूद इस मामले में एक अहम घटनाक्रम सामने आया है। वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह की ईमेल याचिका पर राष्ट्रपति सचिवालय ने संज्ञान लिया है।

सचिवालय ने बिहार के मुख्य सचिव को मामले में आवश्यक कार्रवाई करने और उसकी जानकारी याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। हालांकि, यह निर्देश जांच के आदेश के समान नहीं है, बल्कि प्राप्त शिकायत पर प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

आखिर कितनी खास है ये 'टोडा शॉल'? जिसे पीएम मोदी ने सेशेल्स के स्पीकर को तोहफे में दिया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली के स्पीकर को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक एक खास उपहार भेंट किया। यह उपहार था तमिलनाडु के नीलगिरि पहाड़ों में रहने वाले टोडा समुदाय की पारंपरिक टोडा एम्ब्रॉयडर्ड शॉल।

सफेद सूती कपड़े पर लाल और काले रंग की खूबसूरत कढ़ाई से तैयार यह शॉल सिर्फ एक कपड़ा नहीं, बल्कि सदियों पुरानी कला, परंपरा और पहचान की मिसाल है। इस उपहार के जरिए भारत ने अपनी लोक कला और कारीगरों की मेहनत को दुनिया के सामने सम्मान के साथ पेश किया।

टोडा समुदाय की खास पहचान है Toda Shawl

टोडा एम्ब्रॉयडर्ड शॉल दक्षिण भारत के तमिलनाडु के नीलगिरि क्षेत्र में रहने वाले टोडा समुदाय की पारंपरिक कला है। यह समुदाय लंबे समय से अपनी अलग संस्कृति और जीवनशैली के लिए जाना जाता है। शॉल सफेद सूती कपड़े पर बनाई जाती है, जिस पर लाल और काले धागों से सुंदर ज्यामितीय डिजाइन तैयार किए जाते हैं। हर शॉल हाथ से बनाई जाती है, इसलिए हर एक का डिजाइन थोड़ा अलग और खास होता है।

हाथ की कढ़ाई में छिपी सदियों पुरानी कला

इस शॉल पर की जाने वाली कढ़ाई को 'पुखूर' कहा जाता है। यह तकनीक सिर्फ टोडा समुदाय के लोगों के पास है और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रही है। इसमें किसी मशीन का इस्तेमाल नहीं होता। पूरी कढ़ाई हाथ से की जाती है, जिसमें काफी समय और मेहनत लगती है। यही वजह है कि टोडा शॉल सिर्फ एक कपड़ा नहीं, बल्कि पारंपरिक कला और कारीगरी का बेहतरीन उदाहरण मानी जाती है।

जुलाई में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक, नहीं होगा कामकाज, छुट्टियों का पूरा कैलेंडर

(जीएनएस)।

अगर आप जुलाई महीने में बैंक जाकर कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो पहले छुट्टियों की पूरी सूची देख लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (फ्इक) के छुट्टियों के कैलेंडर के अनुसार जुलाई में देशभर और अलग-अलग राज्यों में मिलाकर बैंक कुल 12 दिन बंद रहेंगे। इनमें चार रविवार और दूसरा व चौथा शनिवार शामिल हैं।

इसके अलावा छह दिन ऐसे भी होंगे, जब कुछ राज्यों और शहरों में स्थानीय त्योहारों, धार्मिक आयोजनों और क्षेत्रीय अवसरों के कारण बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा। ऐसे में अगर आपको चेक जमा करना है, बैंक ड्राफ्ट बनवाना है, पासबुक अपडेट करानी है, लॉकर से जुड़ा काम करना है या किसी अन्य बैंक शाखा की सेवा लेनी है, तो छुट्टियों को ध्यान में रखकर ही अपनी योजना बनाएं। हालांकि, बैंक बंद रहने के दौरान भी ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिलता रहेगा, जिससे रोजमर्रा के लेनदेन पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

इंल्ल' ल्ङ्ग'ि८२ल्ल ख४'८

जुलाई में कब-कब बंद रहेंगे देशभर के बैंक?

जुलाई में पूरे देश के सभी सरकारी और निजी बैंक कुल छह दिन बंद रहेंगे। इनमें चार रविवार और दो नियमित शनिवार की छुट्टियां शामिल हैं।

5 जुलाई - रविवार

11 जुलाई - महीने का दूसरा शनिवार

12 जुलाई - रविवार

19 जुलाई - रविवार

25 जुलाई - महीने का चौथा शनिवार

26 जुलाई - रविवार

इन सभी तारीखों पर देशभर में बैंक शाखाओं में कोई कामकाज नहीं होगा। यदि आपका काम बैंक ब्रांच जाकर ही पूरा हो सकता है, तो इन दिनों से पहले या बाद की तारीख चुनना बेहतर रहेगा।

ये भी पढ़ें: पटना स्कूल रीओपनिंग पर लगा ब्रेक! मौसम के चलते जिला मजिस्ट्रेट ने बदला अपना फैसला, अब कब तक रहेगी छुट्टी?

अलग-अलग राज्यों में इन छह दिनों रहेगी अतिरिक्त छुट्टी

राष्ट्रीय स्तर की छुट्टियों के अलावा जुलाई में छह दिन ऐसे भी हैं, जब कुछ राज्यों और शहरों में स्थानीय त्योहारों और खास अवसरों के कारण बैंक बंद रहेंगे। ये छुट्टियां पूरे देश में लागू नहीं होंगी, बल्कि केवल संबंधित राज्यों और शहरों की बैंक शाखाओं पर लागू रहेंगी।

6 जुलाई - आइजोल

मिजोरम में टल्क्ढ डे के अवसर पर आइजोल की बैंक शाखाएं बंद रहेंगी।

9 जुलाई - शिलांग

मेघालय के प्रमुख पारंपरिक त्योहार बेहदीनखलाम के कारण शिलांग में बैंक अवकाश रहेगा।

16 जुलाई - तीन शहरों में बैंक बंद

इस दिन अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग पर्व मनाए जाएंगे। रथ यात्रा, कांग (रथयात्रा) और हरेला पर्व के अवसर पर भुवनेश्वर, देहरादून और इंफाल में बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा।

17 जुलाई - शिलांग

यू तिरोत सिंह की पुण्यतिथि के कारण शिलांग में बैंक बंद रहेंगे।

18 जुलाई - गंगटोक

द्रुकपा त्से-जी पर्व के अवसर पर गंगटोक की सभी बैंक शाखाओं में अवकाश रहेगा।

22 जुलाई - अगरतला

त्रिपुरा में मनाई जाने वाली खारची पूजा के कारण अगरतला के बैंकों में छुट्टी रहेगी।

दूसरे और चौथे शनिवार को क्यों नहीं खुलते बैंक?

भारतीय बैंकिंग नियमों के अनुसार हर महीने का दूसरा और चौथा शनिवार सभी सरकारी और निजी बैंकों के लिए नियमित अवकाश होता है। वहीं, पहला, तीसरा और पांचवां शनिवार सामान्य कार्य दिवस माना जाता है। इसी वजह से जुलाई में 11 जुलाई और 25 जुलाई को पूरे देश में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी।

बैंक बंद रहने पर कौन-कौन सी सेवाएं मिलती रहेंगी?

बैंक शाखाओं में कामकाज बंद रहने का मतलब यह नहीं है कि सभी बैंकिंग सेवाएं रुक जाएंगी। छुट्टियों के दौरान भी ग्राहकों को कई जरूरी डिजिटल सुविधाएं मिलती रहेंगी।

बेटे की जान बचाने के लिए बेच दिया था सब कुछ, FIFA में टीम को दिलाई जीत, रातोंरात स्टार बना ये खिलाड़ी

(जीएनएस)।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट (राउंड ऑफ 32) मुकाबले में चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को बाहर कर पराग्वे ने फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया है। निर्धारित और अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहने के बाद पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को 4-3 से मात दी। इस जीत के सबसे बड़े नायक रहे 26 वर्षीय गोलकीपर ऑरलैंडो गिल, जिनकी जिंदगी की कहानी फैंस को भावुक करने वाली है।

बेटे की जिंदगी के लिए दांव पर लगा दिया था सब कुछ

आज जिस ऑरलैंडो गिल को पूरा पराग्वे अपना हीरो मान रहा है, कुछ साल पहले तक वह जिंदगी के सबसे कड़े इम्तिहान से गुजर रहे थे। जब उनके बेटे का जन्म हुआ, तो गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उसके इलाज के लिए गिल के पास पैसे नहीं थे। एक लाचार पिता ने बेटे की जान बचाने के लिए अपनी हर छोटी-बड़ी संपत्ति बेच दी। उन्होंने अपने फुटबॉल बूट्स (जूते), ट्रेनिंग गियर और यहां तक कि पराग्वे अंडर-20 टीम की अपनी वह जर्सी भी बेच दी, जिसे कमाना किसी भी खिलाड़ी का सपना होता है। सालों के उसी त्याग, अदम्य साहस और दृढ़ता का परिणाम है कि आज गिल ने अपने देश को फुटबॉल इतिहास की सबसे बड़ी रात दी है।

जर्मन मशीनरी के सामने दीवार बने गिल

जर्मनी के खिलाफ मुकाबले में 120 मिनट के खेल के दौरान गिल ने शानदार बचाव किए। इसके बाद जब मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा, तो उन्होंने जर्मन खिलाड़ियों के हौसले पस्त कर दिए। यह फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में जर्मनी की पेनल्टी शूटआउट में पहली हार है। मौजूदा समय में अर्जेंटीना के क्लब सैन लोरेंजो डी अल्माग्रो के लिए खेलने वाले गिल का पराग्वे के लिए यह महज 10वां अंतरराष्ट्रीय मैच था।

साल 2020 में घरेलू क्लब स्पोर्टिवो सैन लोरेंजो से अपने करियर की शुरूआत करने वाले इस गोलकीपर ने इस वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में भी शानदार प्रदर्शन किया था। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में 4 गोल खाने के बाद, उन्होंने शानदार वापसी की और ऑस्ट्रेलिया तथा तुर्की के खिलाफ अगले दोनों मैचों में क्लीन शीट रखी (एक भी गोल नहीं होने दिया)।

अब क्वार्टर फाइनल के लिए फ्रांस या स्वीडन से चुनौती

मंगलवार, 30 जून को सुबह खेले गए इस मुकाबले ने पराग्वे के फुटबॉल में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। राउंड ऑफ 16 (प्री-क्वार्टर फाइनल) में पहुंच चुकी पराग्वे का अगला मुकाबला अब फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। यदि फ्रांस जीतता है, तो गिल और उनकी टीम के सामने 'लेस ब्लूस' (फ्रांसीसी टीम) के रूप में एक और बड़ी चुनौती होगी, लेकिन गिल के मौजूदा फॉर्म को देखते हुए पराग्वे के फैंस को एक और चमत्कार की उम्मीद है।